

अध्याय - 8 | रामवृक्ष बेनीपुरी

QUIZ-04

1. बालगोबिन भगत अपने बेटे को क्यों और भी अधिक मानते थे?

- A. वह पढ़ाई में तेज था
- B. वह कमज़ोर और भोला-सा था
- C. वह गाँव का मुखिया था
- D. वह खेती में निपुण था

(B)

व्याख्या: भगत अपने बेटे को और अधिक मानते थे क्योंकि वह भोला और कमज़ोर था।

2. बेटे की मृत्यु पर भगत ने क्या किया?

- A. विलाप किया
- B. रोते-रोते बेहोश हो गए
- C. गीत गाते रहे
- D. गाँववालों से लड़ पड़े

(C)

व्याख्या: बेटे की मृत्यु पर भी भगत चटाई के पास बैठकर गीत गाते रहे।

3. बेटे के शव के पास भगत ने कौन-सी चीज़ें सजाई थीं?

- A. धान और गेहूँ
- B. फूल, तुलसीदल और दीपक
- C. कपड़े और गहने
- D. नारियल और सुपारी

(B)

व्याख्या: शव पर भगत ने फूल, तुलसीदल और पास में दीपक सजाया था।

4. बेटे की चिता को आग किससे दिलवाई गई?

- A. खुद भगत ने
- B. गाँव के पंडित ने
- C. पतोहू से
- D. लेखक से

(C)

व्याख्या: बेटे की चिता को भगत ने अपनी पतोहू से अग्नि दिलवाई।

5. रोती हुई पतोहू को भगत क्या कहते थे?

- A. और ज़ोर से रोने को
- B. उत्सव मनाने को
- C. गाने को
- D. सोने को

(B)

व्याख्या: रोती हुई पतोहू को भगत कहते थे कि वह रोने के बजाय उत्सव मनाए।

6. भगत की इस घटना से उनके किस विश्वास का पता चलता है?

- A. परिवारवाद में विश्वास
- B. मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानना
- C. जीवन को दुखमय मानना
- D. पाखंड में विश्वास

(B)

व्याख्या: इस घटना से स्पष्ट है कि भगत मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानते थे।

7. भगत ने बेटे के दाह संस्कार में कौन-सी सामाजिक रूढ़ि का विरोध किया?

- A. विधवा विवाह का
- B. पतोहू को घर से निकालने का
- C. बेटे को मुखाग्नि देने का अधिकार स्वयं लेने का
- D. महिलाओं को घर में कैद करने का

(C)

व्याख्या: उन्होंने बेटे को मुखाग्नि स्वयं न देकर अपनी पतोहू से दिलवाकर सामाजिक रूढ़ि का विरोध किया।

8. लेखक को क्यों लगा कि भगत पागल हो गए हैं?

- A. बेटे की मृत्यु पर भी गा रहे थे
- B. पतोहू को डाँट रहे थे
- C. गाँववालों से झगड़ रहे थे
- D. खेतों में काम करने लगे

(A)

व्याख्या: लेखक को लगा कि भगत पागल हो गए हैं क्योंकि बेटे की मृत्यु पर भी वे गा रहे थे।

9. भगत की पतोहू का स्वभाव कैसा बताया गया है?

- A. विद्रोही और कठोर
- B. सुभग और सुशील
- C. आलसी और उदास
- D. चंचल और तेज़

(B)

व्याख्या: पतोहू को सुभग और सुशील बताया गया है जिसने घर का पूरा प्रबंधन संभाल लिया था।

10. भगत की इस घटना से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

- A. मृत्यु पर शोक मनाना चाहिए
- B. मृत्यु को अंत मानना चाहिए
- C. मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर उसे उत्सव की तरह स्वीकार करना चाहिए
- D. मृत्यु से डरना चाहिए

(C)

व्याख्या: इस घटना से शिक्षा मिलती है कि मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर उसे उत्सव की तरह स्वीकार करना चाहिए।